	Business	Time Alloted
	The Compensatory Afforestation Fund Bill, 2008.	2 Hours
	The Prevention of Corruption (Amendment) Bill, 2008.	2 Hours
11.	Consideration and passing of the following Bills, after they are passed by Lok Sabha:-	
	The High Court and Supreme Court Judges (Salaries and Conditions of Service) Amendment Bill, 2008.	2 Hours
	The Central Universities Bill, 2009.	2 Hours.
12.	Consideration and passing of the Central Industrial Security Force (Amendment) Bill, 2008.	2 Hours

STATEMENT REGARDING GOVERNMENT BUSINESS

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PLANNING (SHRI V. NARAYANASAMY): Sir, I beg to announce that the Government Business in this House for the week commencing 16th February, 2009 will consist of:-

(IV) Consideration of any item of Government Business carried over from today's Order Paper.

(V) Discussion on the Motion of Thanks on the President's Address.

(VI) Discussion on the Statutory Resolution seeking approval of the Proclamation issued by the President on the 19th January, 2009 under Article 356 of the Constitution in relation to the State of Jharkhand.

(VII) Consideration and passing of the following Bills:-

a. The prevention of Corruption (Amendment) Bill, 2008, as passed by Lok Sabha;

b. The Central Industrial Security Force (Amendment) Bill, 2008;

c. The Compensatory Afforestation (Amendment) Bill, 2008, as passed by Lok Sabha; and

d. The Carriage by Air (Amendment) Bill, 2008, as passed by Lok Sabha.

(VIII) General discussion on Interim Railway Budget for 2009-10;

(IX) Consideration and return of the Appropriation Bills relating to the following Demands, after they are passed by Lok Sabha:-

a. Demands for Grants on Account (Railways) for 2009-10;

b. Supplementary Demands for Grants (Railways) for 2008-09; and

c. Demands for Excess Grants (Railways) for 2006-07.

MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Brutal attack on Shri Yashwant Sinha, Member, Rajya Sabha

THE LEADER OF THE OPPOSITION (SHRI JASWANT SINGH): Mr. Deputy Chairman, Sir, I had earlier thought that whatever I have to say I would submit in Hindi. But in deference to my good

friend, the hon. Home Minister, who has very kindly stayed back, I will speak in English. I would submit that the issue that was raised earlier, just before the commencement of the Question Hour, by my distinguished colleague and Deputy Leader, Shrimati Sushma Swaraj, is a much larger issue than the bare skeletal facts of it that were cited by her. My esteemed colleague, who has formerly been the Minister of Finance, Minister of External Affairs, Leader of the Opposition in Bihar and member of this House also, and the former Chief Minister of Jharkhand, plus the leader of our party, have all been assaulted very badly. I do wish to submit that my friend, Shri Yashwant Sinha has suffered a grievous injury. His ligament has been broken and he cannot walk. The security that was provided to him received a blow on his head and had to undergo immediate medical attention which required seven stitches, so I am told. For almost 45 minutes, a senior Member of Parliament, was taken around the city in the back of a truck, where he had been unceremoniously, I dare not use the word, dumped, for what else can I say? No warrant of arrest was produced; no arrest was announced and yet he was arrested. I do not know if a report from the Government of Jharkhand has been received by the Parliament for the arrest of Shri Yashwant Sinha, or his subsequent release and what he was arrested for. It was a perfectly legitimate protest that the party had organised for what is going on in Jharkhand. I don't think it is simply a BJP issue or a Jharkhand issue or a party issue. There is a larger issue involved of the privilege, prestige and standing of not just a senior Member of the House but indeed of the entire House itself. These are all, to my mind, not just disturbing but actually a perilous indication of where, we as the Republic, are heading. I appeal to you to let us know whether you have received, even now, any information in this regard, which is indeed an obligation on the part of the Government of Jharkhand to provide you. I would like to know whether you have any information about the medical report of a very senior Member of our House, whether you have received any report about this from the Government of India. I say, 'the Government of India', because the State is under President's rule; there is no elected Government there. Therefore, the Union Home Minister has a role to play, and that is why, he was urged to stay back, not for any other reason, but we expect that as a committed Union Home Minister, he will be able to inform us of what is happening in Jharkhand. It is a kind of mindless lawlessness which seems to have seized the entire State of Jharkhand. It is a very worrisome situation because that State has also got a condition of near uncontrolled Maoists' attacks and Naxalite attacks on the institutions of State. Parliament is an institution, and Members of Parliament are representatives of that institution. You, Sir, collectively hold the prestige of each individual Member. Now, not only because he is a Member of my party but also being a colleague of many years of standing, as Leader of the Opposition, I consider it my bounden duty to appeal to you to inform us of the facts and also inform us as to what steps you intend taking on this matter. I also urge and request the Union Home Minister to inform us as to what steps the Government intend taking.

श्री दिग्विजय सिंह (झारखंड): उपसभापति महोदय, श्री यशवंत सिन्हा जी इस सदन के सिर्फ सदस्य ही नहीं हैं बल्कि इस सदन के नेता भी रहे हैं। इसलिए आज बहुत दुख के साथ मुझे यह बात कहनी पड़ रही है कि झारखंड

में जहां राष्ट्रपति शासन लागू है और गृह मंत्री जी को हमने इसलिए बैठने के लिए कहा था क्योंकि इसका जवाब देने के लिए सही आदमी वही हैं जो सचमुच बतला सकते हैं कि वहां पर पुलिस ने क्यों ऐसा काम किया। उपसभापति महोदय, घटना इस तरह से है कि जहां एक ओर झारखंड में हुकूमत नाम की कोई चीज नहीं है और वहां पर राष्ट्रपति शासन लागू है, वही झारखंड में बहुत सारे दलों की यह मांग है कि वहां पर विधान सभा को भंग किया जाए और तत्काल चुनाव कराकर नए जनादेश के मुताबिक एक हुकूमत बनाई जाए। लेकिन जब यह काम करने के लिए कुछ लोग वहां इकट्ठे हुए और राज भवन के सामने शांतिपूर्वक तरीके से बैठे रहे तो वैसे समय में काफी ज्यादा बल का इस्तेमाल किया गया। पहले तो उन लोगों पर वाटर केनन का इस्तेमाल किया गया, पानी से भिगोया गया। फिर उनको लाल कपड़े से बताया गया तथा लाल रंग डाला गया। लाल रंग से बताया गया कि इन-इन लोगों की पिटाई करो। यह पूरी सोची-समझी रणनीति के तहत किया गया। यह कोई गलती से नहीं हुआ। पहली बार उनको पानी से भिगोया गया, फिर लाल पानी से उन लोगों को बताया गया कि पुलिस इन लोगों की पिटाई करे। इसमें सिर्फ यशवंत सिन्हा जी नहीं थे, वहां के पूर्व मुख्य मंत्री भी बैठे हुए थे। उपसभापति महोदय, अगर आपके सामने अखबार की तस्वीर हो तो उसमें यशवंत सिन्हा के माथे पर लाठी मारते हुए वह तस्वीर छपी हुई है। सारे अखबारों में है, कोई एक अखबार में नहीं है। वह अखबार मैं दिखाना नहीं चाहता। सारे अखबारों में है। उपसभापति महोदय, मैं आपके सामने इस बात को गंभीरता से इसलिए कह रहा हूं कि यह तब हुआ है जब वहां पर राज्यपाल मौजूद थे और जिस तरीके से वहां पर राष्ट्रपति शासन लागू करके, पूरे झारखंड में लूट की स्थिति बनाई गई है, वह भी अशोभनीय है। पहली बार किसी राष्ट्रपति शासन के तहत गवर्नर ने सारे मलाईदार विभाग अपने पास रख लिए हैं। यह कोई मजाक में नहीं हुआ है...।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That is not the question.

श्री दिग्विजय सिंह: नहीं यह है। उपसभापति जी, यह ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: आप गवर्नर के इंस्टीट्यूशन के बारे में मत बोलिए। आप इसके बारे में बोलिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री दिग्विजय सिंह: उपसभापति जी, मैं उसी पर कह रहा हूं। मैं इसलिए यह कह रहा हूं कि इस घटना के बारे में जैसा नेता प्रतिपक्ष ने कहा है, यशवंत सिन्हा जी की पिटाई में उनके एक अंगरक्षक की नहीं, बल्कि उनके तीन-तीन अंगरक्षकों की पिटाई की गई। यशवंत सिन्हा जी को जो ब्लैक कमांडो दिए गए हैं, वहां पर जो माओवादियों की तरफ से उपद्रव के तमाम कारणों के चलते, उनके लिए सुरक्षा का इंतजाम किया गया है, उसके चलते उनके तीन-तीन सुरक्षाकर्मियों के माथे फोड़े गए और उसके बाद यशवंत सिन्हा जी पर लाठी चलाई गई और उनका पैर तोड़ा गया, उनका पैर ही नहीं तोड़ा गया, बल्कि उनके कंधे पर इतनी चोट है कि जिसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है।

उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सिर्फ इतना ही कहना चाहता हूं कि यह जघन्य अपराध है और इसमें अभी तक किसी का सस्पेंशन नहीं हुआ है। फोटो देखे जा रहे हैं, इस मामले में तो बर्खास्तगी होनी चाहिए। जिन लोगों ने इस काम को किया है, उनको तत्काल बर्खास्त किया जाए। किसी भी कीमत पर ऐसे लोगों को इजाजत नहीं दी जाए कि जब सदन चल रहा हो और सदन के किसी सदस्य की इतनी पिटाई हो कि उसके हाथ-पैर टूट जाएं।

उपसभापति महोदय, गृह मंत्री जी यहां पर बैठे हैं। मैं आपके माध्यम से इतना ही कहना चाहूंगा कि गृह मंत्री जी तत्काल यह सदन उठने से पहले ठोस कदम उठाकर, उन सुरक्षाकर्मियों को जिन्होंने लापरवाही ही नहीं,

जानबूझकर उन पर आक्रमण करके, उनकी हत्या करने का प्रयास किया है, उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाए।

श्री शरद यादव (बिहार): उपसभापति महोदय।

श्री उपसभापति: शरद यादव जी, आपका नोटिस तो नहीं है, आप एसोसिएट कीजिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री रुद्रनारायण पाणि (उड़ीसा): उपसभापति महोदय, ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: आप बैठ जाइये। Nothing will go on record. आप बैठ जाइये। आप केवल एसोसिएट कीजिए।

श्री शरद यादव: उपसभापति जी, मैं आपकी बात मान गया। मैं इतना ही निवेदन करूंगा कि जो विरोधी दल के नेता ने और मेरे कुलीग दिग्विजय सिंह जी ने कहा है, मैं उससे अपने आपको एसोसिएट करता हूं। श्री यशवंत सिन्हा जी ऐसे नेता नहीं हैं, जिन्हें कोई पहचानता नहीं हो और उनका डिमांस्ट्रेशन पीसफुल था, इसके बारे में मेरे पास बहुत फोन आए, वहां पर बहुत ही बेरहमी से लोगों को पीटा गया। वहां के जो एक्स चीफ मिनिस्टर हैं, उनके बारे में और श्री यशवंत सिन्हा जी के बारे में सभी लोग जानते हैं, उनको पूरा देश जानता है। होम मिनिस्टर साहब यहां बैठे हैं, अभी तक वहां पर कैसी हालत है, कैसी स्थिति है, वहां से बहुत लोगों के दुखी होकर फोन आ रहे हैं, अभी तक सरकार ने जिस तरह से रिएक्शन करना चाहिए था, वह नहीं किया है। पार्लियामेंट के मेम्बर की हड्डियां तोड़ दी गई हैं, सदन चल रहा है, इसके बावजूद यह दुर्घटना हुई है। उपसभापति जी, मैं आपके माध्यम से गृह मंत्री जी से निवेदन करूंगा कि वह अभी तत्काल कोई रास्ता सुझाने का काम करें और इसमें क्या करेंगे, इसको बताने का काम करें। मैं इतना ही निवेदन करना चाहता हूं।

श्री ललित किशोर चतुर्वेदी (राजस्थान): उपसभापति महोदय, मैं एक बात कहना चाहता हूं कि ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: आप बैठ जाइए। देखिए, आप बैठ जाइये। जो कहना था, वह हो गया है। ...(**व्यवधान**)... चतुर्वेदी जी, आप बैठ जाइए।

श्री एस.एस. अहलुवालिया (झारखंड): सर।

श्री उपसभापति: अहलुवालिया जी, आपने प्रिवलेज कमेटी के लिए एक नोटिस दिया है। It is under consideration of the Chairman.

श्री एस.एस. अहलुवालिया (झारखंड): उपसभापति महोदय, आज का प्रश्नकाल स्थगित करने का जब नोटिस था, तो उस वक्त भी यह सवाल उठाया था कि कल उनकी गिरफ्तारी की गई, उनको इन्जर्ड अवस्था में गाड़ी मे डम्प करके शहर में घुमाते रहे और उनको गिरफ्तार किया, इसकी सूचना जो हमारी रूल बुक के नियम 222(A) के तहत सदन को देनी चाहिए, वह सूचना नहीं दी गई। इसलिए मेरा कहना है कि इसमें दो चीजे हैं - एक विशेषाधिकार का हनन हुआ है और सूचना नहीं दी गई है। दूसरा, अधिकारियों का आचरण एक सांसद के साथ कैसा हो, यह भी विचारणीय है। जब पार्लियामेंट चल रही है, वह एक धरने पर गए, लोग उत्तेजित हैं, उद्वेलित हैं और वह राज्यपाल से मिलने गए, उनको मेमोरेंडम देने के लिए गए, उनको मेमोरेंडम देने की अनुमति नहीं दी गई और उनको लाठियों की बौछार करके इन्जर्ड किया गया। मैं यह विशेषाधिकार का नोटिस देता हूं और वहां के

संबंधित अधिकारियों को सदन में बुलाकर प्रताड़ित किया जाए।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It is a serious matter. You have given the notice. It will be. ...*(Interruptions)*...

SHRI SITARAM YECHURY (West Bengal): Sir, I would like to associate myself with this matter because this is a very serious matter. We want the Government to tell us what steps it is going to take in the matter. How are the Members of Parliament going to be protected when they go in for legitimate mass protests? And this is something that the Government must inform.

श्री शरद यादव: उपसभापति महोदय, ऐसा पिछले सत्र में भी हुआ था। हमारी पार्टी के सांसद डा. एजाज़ अली के साथ भी यही हुआ था। ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That matter is under consideration of the Privileges Committee.

श्री एस.एस. अहलुवालिया: सर, आप प्रिवलेज कमेटी के चेयरमैन हैं। संबंधित अधिकारियों को सदन में बुलाकर प्रताड़ित किया जाना चाहिए।

श्री उपसभापति: आप भी उसके मेम्बर हैं।

श्री एस.एस. अहलुवालिया: उनको पता चले कि एक सांसद के साथ कैसे व्यवहार करना है। ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Home Minister, would you like to react to it now? Mr. Minister, would you like to react to it?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI P. CHIDAMBARAM): Sir, in obedience to the Chairman's request I stayed back and listened to the hon. Members. I am second to none in upholding the privilege and the prestige of any hon. Member. The matters raised by the Leader of the Opposition give rise to serious concern. I am not, at the moment, in a position to either confirm or deny what the Leader of the Opposition says. There is reason for me to doubt what he says, but I will gather the information. And I am sure, the Ministry and the Government of Jharkhand are in touch with each other. There will be a report in due course. When I have more information, if it warrants action to be taken, certainly, action will be taken.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Shrimati Brinda Karat. ...*(Interruptions)*... वे करेंगे और ऐक्शन लेंगे, ...(**व्यवधान**)... The assurance has been given. ...*(Interruptions)*... आप बैठिए। ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती माया सिंह (मध्य प्रदेश): महोदय, इस पर तत्काल कदम उठाया जाना चाहिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री एस.एस. अहलुवालिया: यह खबर आ रही है, अभी 24 घंटे बीत गए हैं और अभी तक उनके पास खबर नहीं आई है! ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The House is seized of the matter. The Home Minister has responded. ...*(Interruptions)*... आप बोलए। It will be taken up. ...*(Interruptions)*... It is a serious

matter. The Minister has admitted the seriousness of it. ...*(Interruptions)*... आप देखिए ...(**व्यवधान**)... नहीं, नहीं, पाणि जी, ...(**व्यवधान**)... नहीं, नहीं ...(**व्यवधान**)... हमने देखा है। ...(**व्यवधान**)... The House has taken it seriously. ...*(Interrup-tions)*... आप जाइए, प्लीज़। ...(**व्यवधान**)... आप जाइए। ...(**व्यवधान**)... आप बैठिए। The matter has been allowed to be raised. ...*(Interruptions)*... The matter has been allowed to be raised, and the hon. Home Minister has responded to it. ...*(Interruptions)*... He has assured the House that if action is needed, it will be taken. Beyond that nothing can be said. ...*(Interruptions)*... The privilege notice has also been given. That is under the consideration of the Chairman. ...*(Interruptions)*... You see, what all steps had to be taken have been taken. ...*(Interruptions)*...

SHRI PRAKASH JAVADEKA (Maharashtra): No steps have been taken. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I mean, here in the House. ...*(Interruptions)*...

श्रीमती सुषमा स्वराज (मध्य प्रदेश): सर, मुझे यह कहना है कि जैसी यह घटना थी, उस पर होना तो यह चाहिए था कि गृह मंत्री जी Suo motu statement लेकर आते और सदन को बताते। लेकिन हमारे कहने के बाद भी इन्होंने इस चीज़ को जितना लाइटली लिया है, हम इससे कतई संतुष्ट नहीं हैं और हम सदन से बर्हिगमन करते हैं।

(तत्पश्चात् कुछ सदस्य सदन से उठकर बाहर चले गए)

MR. DEPUTY CHAIRMAN: He has not taken it lightly. He has taken it seriously. Now, Shrimati Brinda Karat.

Alleged threat to women and young couples on Valentine's day

SHRIMATI BRINDA KARAT (West Bengal): Sir, I would have been very happy if my friends would have just waited to hear this because concerns them in very direct way. In any case, Sir, I wish to draw the attention of the House to threats emanating from a group which calls itself the Rama Sene. It would have been better, if they call themselves as Duryodhana Sena or the Dushashan Sena.

SHRI SITARAM YECHURI (West Bengal): No, the Ravana Sena.

SHRIMATI BRINDA KARAT: 'Ravana', in any case, has got some other qualities, so I would not associate that with them. Sir, this is pertaining to the fact that tomorrow happens to be February 14th, and some young people in this country choose to observe the Saint Valentine's Day to express their love for each other. This Sena has threatened that any such couple seen, in any place, outside their homes, will be forcibly married, or, the girl will be forced to tie a rakhi onto the boy's hand, etc. Now, really, Sir, we need not have taken such threats seriously had it not been for the fact that these threats have been preceded by the most wild, savage and cowardly attacks. Series of attacks in the Mangalore region of Karnataka on young women and particularly targeting those young women who happen to be in the company of Muslim men. Yesterday, we read in the paper that a young girl committed suicide because she was dragged out of her bus along with an acquaintance of hers,